आरती श्री मारुति नन्दन की

मंगल-मूरति मारुत-नन्दन, सकल अमल मूल निकन्दन ।
पवन तनय संतन हितकारी, हृदय विराजत अवध बिहारी ।
मातु पिता, गुरु गणपति, सारद, सिवा समेत शंभु सुक नारद ।
वरन बंदि बिनवौ सब काहू देहु रामपद नेह निबाहू ।
बंदौ राम लखन वैदेही, जे तुलसी के परम सनेही ।

विवरण

जो शुभ को करने वाले हैं, वायु के पुत्र हैं, सभी अशुभ कार्यों का नाश करने वाले हैं, ये पवन पुत्र अपने भक्तों का हित करने वाले हैं तथा जिनके हृदय में हमेशा श्री राम जी विराजमान रहते हैं, गणेश जी, शिव जी, नारद आदि सभी जिनकी बार-बार वन्दना करते हैं, ऐसे श्री राम जी के प्रेम को निबाहने वाले तथा राम जी, लक्ष्मण जी,तथा सीता जी की वन्दना करने वाले हनुमान जी तुलसीदास के परम स्नेही हैं ।

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.